>

Title: Drought situation in Madhya Pradesh.

श्री गणेश सिंह (सतना): सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से भारत सरकार का ध्यान मध्य प्रदेश के अधिकांश जिलों में व्याप्त भयंकर सूखे एवं गम्भीर पेयजल की समस्या के बारे में आकृष्ट कराना चाहता हूं।

प्रदेश के अंदर सतना, रीवा, कटनी, सीधी, शहडोल, अनूपपुर, उमरिया, पन्ना, छतरपुर, दमोह, टीकमगढ़ तथा ग्वालियर संभाग के कई जिलों में भयंकर सूखे की स्थिति निर्मित हो गई है। खरीफ की फसल पूरी सूख गई तथा रबी की फसल को बोया जाना जल स्रोत के सूख जाने के कारण संभव नहीं हो सका। नदी, तालाब, कुएं, बांध, ट्यूबवैल सभी सूख गए हैं। पूरे क्षेत्र में हाहाकार मचा हुआ है। प्रदेश सरकार ने पूरे जिलों को सूखाग्रस्त घोषित कर दिया है तथा पेयजल परिवहन की तैयारी भी कर ली है। साथ ही राहत कार्य भी खोले जा रहे हैं। इस क्षेत्र में लगातार तीन वर्षों से प्राकृतिक आपदा ने किसानों की कमर तोड़ दी है।

मेरी केन्द्र सरकार से मांग है कि केन्द्रीय अध्ययन दल वहां भेजा जाए एवं किसानों को आर्थिक पैकेज दिया जाए।

डॉ. रामकृष्ण कुसमरिया (खजुराहो): सभापति महोदय, मैं अपने को इस विषय के साथ सम्बद्ध करता हूं।